

“जीवन की अवधारणा का अध्ययन”

(कक्षा 3, 5 और 7 बालक-बालिकाओं के सदर्भ में)

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल

D - 129 की

एम.एड (प्रारम्भिक शिक्षा) उपाधि परीक्षा

की

आशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

C

लघुशोध प्रबन्ध

1999—2000



निर्देशक

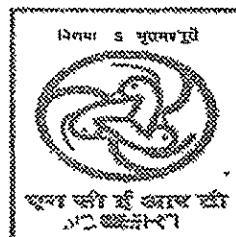
श्री अविनाश चन्द पचौरी

प्रवाचक

शोधकर्ता

अनिल सिंह

एम.एड (प्रारम्भिक शिक्षा)



क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

एन सी ई आर. टी

प्रमाण-पत्र

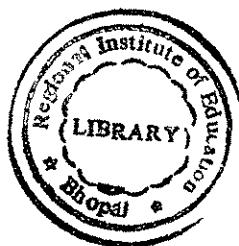
प्रमाणित किया जाता है कि श्री अनिल सिंह जो क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल मे नियमित छात्र के रूप मे अध्ययनरत है, ने एम एड (प्रार शिक्षा) मे स्नाकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघुशोध प्रबन्ध कार्य “जीवन की अवधारणा का अध्ययन”(कक्षा ३, ५ एव ७ के बालक-बालिकाओ के सन्दर्भ मे)मेरे निर्देशन मे विधिवत पूर्ण किया है ।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध कार्य पूर्णतया मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है एव इस आशय से विश्वविद्यालय मे प्रस्तुत नही किया गया है ।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सत्र २००० की एम एड (प्रार शिक्षा) मे स्नाकोत्तर उपाधि परीक्षा की आशिक सम्पूति हेतु प्रस्तुत करने मे उपयुक्त तथा सक्षम है ।

*C. P. Acharya
25/4/2000*

दिनांक
भोपाल



अविनाश चन्द पचौरी
प्रवाचक
एम एड शिक्षा संस्थान,
भोपाल (मप्र)

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध के समर्त सोपानों को पूर्ण करने का समर्त श्रेय मेरे श्रद्धेय श्री एसी पचौरी, प्रवाचक, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान को है, जिन्होंने निरन्तर मुझे परामर्श, निर्देशन तथा प्रोत्साहन देकर अपना अमूल्य समय और सहयोग दिया। प्रस्तुत लघुशोध आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा आत्मीयता एवं वात्सल्य पूर्ण सहयोग जो मुझे प्राप्त हुआ, वह मुझे अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य, डॉ जी के लहरी, अधिष्ठाता प्रो एस गुप्ता, डा खेमराज शर्मा, डा आई डी गुप्ता, डॉ जी एन पी श्रीवास्तव, डा एस.पी मिस्त्री, डा एस.के गुप्ता, डा सविता पट्टनाथक, डा अविनाश ग्रेवाल, डा आई वी चुगताई, डा.के के खरे, डा सुनीति खरे का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने मुझे लघुशोध प्रबन्ध पूर्ण करने मेरे धैर्य व साहस प्रदान किया है और जिनके द्वारा मैंने संक्षिप्त ज्ञान अर्जित किया है।

मैं रवि प्रकाश खरे (व्याख्याता-पन्ना) कुरशिम शर्मा, श्री नरेन्द्र बघेल तथा मेरे सहपाठियों मेरे श्री प्रकाश नामदेव, श्रीमती मेघा वाजपेयी, जसबीर सिंह, मनोज सत्रे (बी एड छात्र) कुरु योगिता, अनिल मिश्रा, मोहर सिंह, का हृदय से धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध मेरी सहायता की।

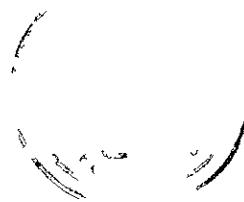
मैं संस्थान के पुस्तकालय के समर्त स्टाफ एवं प्रदत्त सकलन हेतु चयनित संस्थाओं के प्रध्यानाध्यापकों को जिन्होंने इस शोधकार्य को पूर्ण करने मेरे सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने माता-पिता का चिरकृष्णी रहूगा जिन्होंने मेरे अध्ययन की पूर्ति के लिये तन-मन धन से सहयोग प्रदान किया।




अनिल सिंह
एम.एड. (प्रार.शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

अनुक्रमणिका



अध्याय प्रथम

प्रस्तावना

पृष्ठ क्रमांक

1 1 सकल्पना	2
1 2 अवधारणा	2
1 3 जीवन की अवधारणा	3

अध्याय द्वितीय

शोध प्रारूप

2 1 सक्षिप्त परिचय	7
2 2 सम्बद्धित साहित्य का पुनरावलोकन	7
2 3 विधि	9
2 4 न्यादर्श	10
2 5 निष्कर्ष	10

अध्याय तृतीय

शोध प्रारूप

3 1 शोध समस्या	13
3 2 शोध कार्य की आवश्यकता	13
3 3 शोध के उद्देश्य	14
3 4 शोध प्रश्न	15
3 5 शोध चर	15
3 6 शोध का इीर्षक	16
3 7 शोध कार्य की परिसीमाएं	16
3 8 शोध हेतु प्रयुक्त न्यादर्श	16

अध्याय चतुर्थ

शोध आदर्श एव शोध उपकरण प्रारूप तथा प्रशासन

4 1 शोध कार्य की भौगोलिक सीमाएं	19
4 2 न्यादर्श की विशेषताएं	19
4 3 न्यादर्श चयन प्रक्रिया	19
4 4 शोध मे प्रयुक्त उपकरण तथा व्याख्या	20
4 5 प्रदत्तो का सकलन	22

4 6	प्रदत्तो का सकलन के दौरान होने वाली कठिनाइयाँ	22
4 7	प्रदत्त सकलन हेतु तकनीकी एवं प्रक्रिया	22

	अध्याय पचम्	
	प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या	
5 1	परिचय	25
5 2	प्रदत्तो का सारणीयन	25
5 3	प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या	25

	अध्याय षष्ठम्	
	शोध निष्कर्ष	
	शोध निष्कर्ष एवं आरेखीय निरूपण	65

	अध्याय सप्तम्	
	सक्षोपिका	
7 1	परिचय	75
7 2	शोध कार्य की आवश्यकता	76
7 3	शोध के उद्देश्य	76
7 4	शोध प्रश्न	77
7 5	शोध चर	77
7 6	शोध मे प्रयुक्त न्यादर्श, न्यादर्श की विशेषताएं एव न्यादर्श चयन प्रक्रिया	78
7 7	शोध का शीर्षक	78
7 8	शोध का सीमाकन एवं उपकरण	78
7 9	शोध दौरान प्रदत्तो का सकलन	78
7 10	शोध मे प्रयुक्त तकनीकी	79
7 11	शोध निष्कर्ष	79
7 12	शोध दौरान सुझाव	81
7 13	भावी शोध हेतु सुझाव	81

	अध्याय अष्टम्	
	सदर्भ ग्रथ	83
	परिशिष्ट	84